हेमीवरटिब्रा
Hemivertebra?)

हेमीवरटिब्रा क्या है?

हेमीवरटिब्रा मेरुदंड की एक जन्मजात विकृति है जिसमें वरटिब्रा का आधा भाग ही विकसित होता है । यह १०००० में ३ नवजात शिशुओं में पाया जाता है । जन्मजात कूबड़ का यह एक प्रचलित कारण है जिसमें मेरूदंड बग़ल की तरफ़ मुड़ा रहता है ।

हेमीवरटिब्रा कैसे होता है ?

- हमारा मेरुदंड सामान्यत: ३३ वरटिब्रा से बना होता है ।
- गर्भाधान के लगभग छठे सप्ताह में प्रत्येक वरटिब्रा के दोनों तरफ़ दो जगह होता है जहां पर हड्डी का विकास शुरु हो कर कड़ा होता है जिसे लैटरल ऑसीफिकेशन केन्द्र कहते हैं ।
- यदि इनमें से एक ऑसीफिकेशन केन्द्र का विकास नहीं होता है तो वरटिब्रा का एक पहलू गायब हो जाता है ।
- ख़राब वरटिब्रा एक कील के समान काम करता है और इसके कारण मेरुदंड के विन्यास पर प्रभाव पड़ता है
- इसके कारण मेरुदंड में बग़ल की तरफ़ बहुत अधिक झुकाव हो जाता है (स्कोलियोसिस) अथवा बहुत अधिक झुकाव उल्टी तरफ़ भी हो सकता है ।

क्या मुझे अन्य जाँच भी कराना चाहिए ?

क्या मुझे गर्भ जल की जाँच कराने के बारे में भी पूछना चाहिए ताकि गुण सुत्र की संख्या में कमी अथवा अन्य किसी जन्मजात कारण का पता चल जाए ?

एम्नियोसेन्ट्सिस जाँच में एक सूई से गर्भस्थ शिशु के आसपास का कुछ जल निकाल कर जाँच के लिए भेजा जाता है ।

अन्य जेनेटिक जाँच जैसे क्रोमोजोमल माइक्रोऐरे (सी ओम ए) जो शिशु के वंशानुगत बनावट को बड़ी सूक्ष्मता से देखता है , भी उसे अनुशंसित किया जा सकता है ।

क्योंकि हेमीवरटिब्रा कई अन्य विकृतियों (जैसे मेरुदंड , पटरी और हाथ~ पैर की हड्डी और मांसपेशियों के अन्य विकृतियों) के साथ पाया जाता है , इसीलिए आपको विस्तार से अल्ट्रासाउंड जाँच कराना होगा ।

हेमीवरटिब्रा कुछ जन्मजात सिंड्रोम के साथ ही मिलता है जैसे जारकोव - लेविन , किप्पेल फिएल , आईकार्डिएल सिंड्रोम , एवं वैकट्रल एसोसिएशन , इसीलिए जेनेटिक काउनसिलिंग से लाभ हो सकता है ।

मेरे बच्चे के जन्म के बाद उस पर इन सब का क्या प्रभाव पड़ेगा ?

यदि इसे इसी तरह छोड़ दिया जाए तो २५% मरीज़ों के जन्मजात कूबड़ में कोई बढ़ोत्तरी नहीं होता है, ५०% में क्रमश धीरे धीरे बढ़ोतरी होती है और २५% में यह विकास के समय में तेज़ी से बढ़ता है ।

आपके बच्चे का इलाज हड्डी की सर्जरी है (मेरुदंड को जोड़ना ही इसका उचित इलाज है)
सामान्यत: इसे अत्यधिक अपंगता होने के पहले किया जाता है !